

15 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. भूटान की शुरुआती चाल, उसका गेलेफू तिकड़म:
2. पूर्वी कांगो में भड़की हिंसा के कारण क्या हैं?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. पैनल ने एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की:
2. फरवरी में प्याज, टमाटर की वजह से थोक खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ी:
3. सरकारें स्ट्रीट फूड में रोडामाइन बी को खतरे के रूप में क्यों देख रही हैं?

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय:

भूटान की शुरुआती चाल, उसका गेलेफू तिकड़म:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

प्रारंभिक परीक्षा: मानचित्र पर गेलेफू।

मुख्य परीक्षा: भारत-भूटान संबंध।

विवरण: भूटान का गेलेफू तिकड़म

- वैश्विक संचार के बीच रणनीतिक कदम: भूटान, प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के नेतृत्व में, भारत में असम की सीमा से लगे शहर गेलेफू में एक क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र के विकास का नेतृत्व कर रहा है।
- दिसंबर 2023 में राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक द्वारा समर्थित इस पहल का उद्देश्य 1,000 वर्ग किलोमीटर में "गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी" (Gelephu Mindfulness City) की स्थापना करना है।

सतत विकास के लिए अद्वितीय दृष्टिकोण:

- गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी आईटी, शिक्षा, आतिथ्य और स्वास्थ्य सेवा जैसे टिकाऊ, गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को प्राथमिकता देकर खुद को पारंपरिक वित्तीय केंद्रों से अलग करती है।
- कार्बन-तटस्थ दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, शहर का लक्ष्य स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हुए निवेश आकर्षित करना है।

चुनौतियाँ और अवसर:

- भौगोलिक और पर्यावरणीय बाधाएँ: गेलेफू का समतल भूभाग भूटान के पहाड़ी परिदृश्य से भिन्न है, जो मौसमी बाढ़ और वन्यजीव संरक्षण संबंधी चिंताओं जैसी चुनौतियाँ पेश करता है।

- इसके अलावा, उग्रवाद-प्रवण क्षेत्रों से इसकी निकटता सावधानीपूर्वक सुरक्षा विचारों की मांग करती है।
- भारत पर निर्भरता: एक भूमि से घिरे राष्ट्र के रूप में, भूटान महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और व्यापार मार्गों के लिए भारत पर निर्भर है। गेलेफू की सफलता परिवहन संपर्क बढ़ाने और व्यापार सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत के समर्थन पर निर्भर है।

भूटान के लिए प्रेरणाएँ:

- आर्थिक अनिवार्यताएँ: भूटान अपनी अर्थव्यवस्था को जलविद्युत और विशिष्ट पर्यटन से परे विविधता प्रदान करना चाहता है। गेलेफू के विकास को रोजगार पैदा करने, युवा प्रतिभा को बनाए रखने और राजस्व धाराओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

भूराजनीतिक रणनीति:

- सीमा विवादों को सुलझाने के लिए चीन के दबाव के बीच, भूटान का लक्ष्य बीजिंग के साथ बातचीत करते हुए भारत के साथ जुड़कर अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संतुलित करना है।
- गेलेफू भूटान को अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने के लिए एक नियंत्रित अवसर प्रदान करता है।

भारत की प्रतिक्रिया और दांव:

- क्षेत्रीय प्रभाव सुनिश्चित करना: भारत चीन के साथ भूटान के जुड़ाव को सावधानीपूर्वक देखता है और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के महत्व को पहचानता है। गेलेफू का विकास भारत की व्यापक कनेक्टिविटी योजनाओं के अनुरूप है, जो इसके क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करता है और बाहरी दबावों का मुकाबला करता है।
- निवेश और कनेक्टिविटी: रेलवे नेटवर्क, सड़क सुधार और ऊर्जा परियोजनाओं सहित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए गेलेफू के बुनियादी ढांचे को भारत की पहल के साथ मेल खाने की जरूरत है।

नवीकरणीय ऊर्जा और सीमा पार व्यापार जैसे क्षेत्रों में भूटान के साथ सहयोग भारत के रणनीतिक हितों को बढ़ाता है।

प्रधान मंत्री स्तरीय दौरे और निहितार्थ:

- द्विपक्षीय जुड़ाव: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी भूटान यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे होते संबंधों का प्रतीक है। यात्राओं का यह आदान-प्रदान द्विपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है और भूटान की विकास पहलों का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।
- रणनीतिक समय: गेलेफू के विकास पर चर्चा के बीच पीएम मोदी की यात्रा का समय क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में भारत की सक्रिय भागीदारी को रेखांकित करता है। यह भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने में दोनों देशों के बीच राजनयिक तालमेल पर भी प्रकाश डालता है।
- भारत-भूटान संबंधों के बारे में अधिक जानकारी के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए: [India – Bhutan relations](#)

निष्कर्ष:

- तात्कालिक बाधाओं के बावजूद, गेलेफू भूटान और क्षेत्र दोनों के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। सतत विकास को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करके, परियोजना क्षेत्रीय गतिशीलता को फिर से परिभाषित कर सकती है और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा दे सकती है।

सारांश:

- भारत द्वारा समर्थित भूटान की महत्वाकांक्षी गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना, टिकाऊ उद्योगों के साथ क्षेत्रीय विकास को फिर से परिभाषित करना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी यात्रा भूराजनीतिक चुनौतियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक सहयोग को रेखांकित करती है।

पूर्वी कांगो में भड़की हिंसा के कारण क्या हैं?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध। भारत के हितों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के आसपास के देशों का मानचित्र कार्य।

मुख्य परीक्षा: कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संघर्ष: कारण, प्रभाव और समाधान।

संदर्भ:

- पूर्वी कांगो में नए सिरे से संघर्ष बढ़ गया है, रवांडा द्वारा एम23 विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोपों से मानवीय संकट की चिंताएँ बढ़ गई हैं।

पूर्वी कांगो में हिंसा भड़कने के कारण:

- ऐतिहासिक संदर्भ: पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में संघर्ष की जड़ें 1994 में रवांडा नरसंहार (Rwandan genocide) के बाद की हैं, जिसके कारण पूर्वी डीआरसी में शरणार्थियों का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ।
- गृहयुद्ध और जातीय तनाव: रवांडा के शरणार्थियों और सैनिकों की उपस्थिति से तुत्सी मिलिशिया और स्थानीय कांगोली लोगों के बीच जातीय तनाव बढ़ने के साथ दो गृह युद्ध हुए।
- विद्रोही समूहों का गठन: जातीय प्रतिनिधित्व और राजनीतिक एकीकरण पर शिकायतों के कारण एलायंस ऑफ डेमोक्रेटिक फोर्सेज फॉर द लिबरेशन ऑफ कांगो (एएफडीएल) और बाद में 23 मार्च मूवमेंट (एम23) जैसे विद्रोही समूह उभरे।

नए सिरे से संघर्ष के अंतर्निहित कारण:

- M23 पुनरुत्थान: वर्ष 2012 में गठित एम23, तुत्सी हितों की रक्षा करने का दावा करता है लेकिन एकीकरण में कथित विफलताओं के कारण कांगो सेना से अलग हो गया।

- हाल की ये झड़पें हुतु मिलिशिया द्वारा हमलों के एम23 के आरोपों और सरकारी कार्रवाइयों के प्रति असंतोष से उपजी हैं।
- बाहरी समर्थन का आरोप: डीआरसी ने रवांडा पर एम23 विद्रोहियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रवांडा ने इन दावों का खंडन किया है और क्षेत्रीय शांति सैनिकों को वापस भेजने के कांगो के फैसले को संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- गहराता मानवीय संकट: हिंसा में हालिया वृद्धि ने मानवीय संकट को बढ़ा दिया है, जिससे मौतें, विस्थापन और खाद्य सुरक्षा जोखिम पैदा हो गए हैं। नागरिक बस्तियों पर हमलों ने स्वास्थ्य और सहायता कर्मियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया है, जिससे स्थिति और खराब हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय चिंताएँ और क्षेत्रीय निहितार्थ:

- संयम के लिए वैश्विक आह्वान: संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र (United Nations) और कई पश्चिमी देशों ने डीआरसी और रवांडा दोनों से युद्ध से बचने का आग्रह किया है, और विद्रोही समूहों को समर्थन वापस लेने का आह्वान किया है।
- क्षेत्रीय वृद्धि का जोखिम: संघर्ष क्षेत्रीय तनाव और अधिक देशों की भागीदारी के बारे में चिंताएं बढ़ाता है, जिससे क्षेत्र संभावित रूप से और अधिक अस्थिर हो सकता है।
- वैश्विक संकट के बीच मानवीय ध्यान: स्थिति की गंभीरता के बावजूद, चिंताएं हैं कि पूर्वी कांगो में संघर्ष अन्य वैश्विक संकटों, जैसे गाजा में युद्ध और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण (Russia's invasion of Ukraine), से प्रभावित हो सकता है, जिससे प्रभावित आबादी के लिए अपर्याप्त ध्यान और समर्थन का खतरा हो सकता है।

सारांश:

- ऐतिहासिक जातीय तनाव और विद्रोही समूहों को बाहरी समर्थन के आरोपों के कारण पूर्वी कांगो में नए सिरे से हुई झड़पों ने मानवीय संकट को बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर वैश्विक चिंताएं बढ़ गई हैं।

प्रोलिम्स तथ्य:

1. पैनल ने एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है:

पैनल ने एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है:

संदर्भ:

- पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर निकायों और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव करवाने करने के लिए ([simultaneous elections](#)) चरणबद्ध दृष्टिकोण का प्रस्ताव दिया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- 22वां विधि आयोग भी इस मुद्दे का अध्ययन कर रहा है; कोविंद पैनल ने वर्ष 2029 के चक्र से चुनावों को समन्वित करने का सुझाव दिया है।
- यह एक नए चुनावी चक्र की शुरुआत के लिए प्रत्येक आम चुनाव के बाद एक 'नियुक्त तिथि' निर्धारित करने की सिफारिश करता है।
- इस तिथि के बाद गठित राज्य विधानसभाओं का समापन अगले आम चुनावों से पहले होगा, जिससे एक साथ चुनाव कराने की अनुमति मिलेगी।
- एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को लागू करने के लिए, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अनुच्छेद 324A में बदलाव के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन प्रस्तावित हैं।
- समिति ने 18,000 पृष्ठों से अधिक की अपनी विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी, लेकिन 321 पृष्ठों का एक संक्षिप्त संस्करण सार्वजनिक किया गया।

महत्व:

- जहां समिति विभिन्न हितधारकों पर बोझ कम करने की आवश्यकता पर जोर देती है, वहीं यह अपनी सिफारिशों की संवैधानिक अखंडता पर भी जोर देती है।

2. फरवरी में प्याज, टमाटर की वजह से थोक खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ी:

संदर्भ:

- भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दिसंबर में 4.24% की संशोधित वृद्धि की तुलना में जनवरी में घटकर 3.8% हो गई, जो विनिर्माण क्षेत्र में मंदी का संकेत है, जो पहले के 4.5% से बढ़कर 3.2% हो गया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- इस गिरावट के साथ तीन महीनों में दूसरी बार उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं में संकुचन हुआ।
- जहां खनन और बिजली उत्पादन में क्रमशः 5.9 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत का सुधार देखा गया, वहीं उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आंशिक रूप से अनुकूल आधार प्रभावों से प्रेरित है।
- उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में 0.3% की गिरावट देखी गई।
- जनवरी में पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 4.1% की वृद्धि हुई, और मध्यवर्ती वस्तुओं ने भी 4.8% की तेज वृद्धि दर्ज की।
- हालांकि, प्राथमिक वस्तुओं और बुनियादी ढांचे/निर्माण वस्तुओं की वृद्धि दर थोड़ी घटकर क्रमशः 2.9 प्रतिशत और 4.6 प्रतिशत रह गई।

महत्व:

- समग्र विकास के बावजूद, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिक उत्पादों जैसे कुछ क्षेत्रों में संकुचन दर्ज किया गया, जो भारत के औद्योगिक क्षेत्र के मिश्रित प्रदर्शन को दर्शाता है और विशिष्ट उद्योगों में चल रही चुनौतियों को उजागर करता है।

3. सरकारें स्ट्रीट फूड में रोडामाइन बी को खतरे के रूप में क्यों देख रही हैं?

संदर्भ:

- तमिलनाडु ने हाल ही में चेन्नई के स्टालों से एकत्र किए गए नमूनों में एक औद्योगिक रंग रोडामाइन-बी का पता चलने के कारण कॉटन कैंडी या कैंडी फ्लॉस की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- इसके बाद, कर्नाटक ने सूती कैंडी और "गोबी मंचूरियन" में हानिकारक रंगीन एजेंटों पर प्रतिबंध लगा दिया, जबकि आंध्र प्रदेश ने नमूना विश्लेषण शुरू किया।
- आमतौर पर वस्त्रों में उपयोग किया जाने वाला रोडामाइन-बी, सेवन करने पर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।
- तमिलनाडु सरकार मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की आहार विशेषज्ञ मीनाक्षी बजाज ने मिठाइयों, मंचूरियन आइटम और चीनी व्यंजनों के सॉस सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों में इसकी उपस्थिति पर प्रकाश डाला है।
- डॉक्टरों ने एलर्जी और संभावित कार्सिनोजेनिक प्रभावों सहित रोडामाइन-बी से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य चिंताओं पर जोर दिया है।

महत्व:

- हालाँकि एफएसएसआई (FSSAI) ने कुछ खाद्य रंगों और स्वादों को मंजूरी दी है, जबकि रोडामाइन-बी की उपस्थिति सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सख्त नियमों की आवश्यकता को उजागर करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में चुनावों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. भारत का चुनाव आयोग लोकसभा, राज्य विधानमंडल चुनाव और पंचायत चुनाव के संचालन के लिए जिम्मेदार है।
2. लोकसभा का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तारीख से पांच वर्ष निर्धारित होता है, जबकि राज्य विधानमंडल का कार्यकाल संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा निर्धारित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

प्रश्न 2. भारतीय संविधान की संशोधन प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. संविधान में संशोधन की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में निर्धारित है।
2. कोई भी संवैधानिक संशोधन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है।
3. संविधान के संघीय ढांचे से संबंधित संशोधनों के लिए विशेष बहुमत और कम से कम आधे राज्य विधानसभाओं द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: c

प्रश्न 3. वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क, ट्रैफिक (TRAFFIC) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. TRAFFIC संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत एक अंतरसरकारी संगठन है।
2. ट्रैफिक मुख्य रूप से वन्यजीवों और पौधों में अवैध व्यापार की निगरानी और मुकाबला करने पर केंद्रित है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- ट्रैफिक (TRAFFIC) विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की एक संयुक्त पहल है।

प्रश्न 4. वन अधिकार अधिनियम 2006 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: वन अधिकार अधिनियम व्यक्तिगत वन निवासियों और समुदायों दोनों को वन भूमि के कब्जे और उपयोग के लिए कानूनी मान्यता प्रदान करता है, जिस पर वे परंपरागत रूप से कब्जा और उपयोग करते रहे हैं।

कथन 2: वन अधिकार अधिनियम ग्राम सभा को वन-निवास समुदायों में वन अधिकारों की मान्यता और अधिकार की प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

प्रश्न 5. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केवल एक नागरिकता और एक अधिवास है।
2. केवल जन्म से ही कोई नागरिक राज्य का प्रमुख बन सकता है।
3. किसी विदेशी को एक बार नागरिकता मिल जाने के बाद किसी भी परिस्थिति में उससे वंचित नहीं किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: a

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता के संदर्भ में, विशेषकर दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में, भारत-भूटान संबंधों के रणनीतिक महत्व पर चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Discuss the strategic significance of India-Bhutan relations in the context of regional security dynamics, particularly with reference to China's growing influence in South Asia. (15 marks, 250 words) [GS-2, International Relations])

प्रश्न 2. संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत की भूमिका पर विशेष जोर देने के साथ वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में चल रहे संघर्ष के निहितार्थों की

जांच कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Examine the implications of the ongoing conflict in the Democratic Republic of Congo (DRC) for global peace and security, with a special emphasis on India's role in UN peacekeeping missions. (15 marks, 250 words) [GS-2, International Relations])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर  की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

